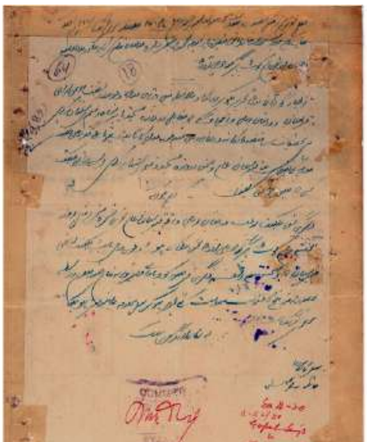

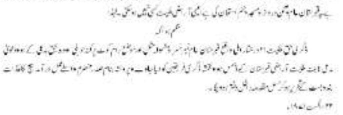

नकल तजवीज मशमूला मिसिल हकिकयत बन्दो बस्त साबिक बिला तहत सीर रजिस्टर आम 15047 मुनफसिला 22 अगस्त 1871ई0

इजलासी जनाब हाकिम बन्दोबस्त साहब बहादुर साबिक फैजाबाद

बमुकदमा मोहम्मद असगर वगैरा मुद्दयान बनाम सरकार बहादुर मुद्दआ अलैह

........आराजी राम कोट परगना हवेली अवध

इजहार गवाहान मुद्दई तहरीर होकर रोयदाद मुलाहजा मे दरबाई मुद्दई दावेदार हकियत आला आराजी कबरिस्तान व दरख्तान इमली वाके उसके जो मुकाबिल दरवाजा मस्जिद बाबर शाह व जनम स्थान के है बहर तहकीकात से कब्जा मालिकाना दरख्तान इमली मुतदाविया मुद्दई का साबित होता है मगर जमीन मिलकियत मुद्दई की नहीं है यह कबरिस्तान आम व सहेन दरवाजा मस्जिद व जनम स्थान की है ऐसी आराजी मिलकियत किसी की नहीं हो सकती लिहाजा

हुक्म हुआ कि

डिग्री हक मिलकियत 21 दरख्तान इमली वाके कबरिस्तान आम नम्बरी खसरा मशमूला मिसल और मौजा राम कोट परगना हवेली अवध बहक मुद्दई के हो व दावा मुद्दई बाबत मिलकियत आराजी कबरिस्तान के डिसमिस हो व नकशा डिग्री फरीकैन को दिया जावे व परवाना बनाम सदर मुंसरिम वास्ते अमलदरामद बीच कागजात बन्दोबस्त के तहरीर होकर मिसल मुकदमा दाखिल दफतर होवेगा। 22 अगस्त 1871ई0

दस्तखत बखत अंग्रेजी शिकस्त

नकल किया ह0 अपठनीय मुकाबला किया किया ह0 अपठनीय

■

Copy of the proposal (Tajweez) included in the file of Haqqiat Bandobast Sabid Bila Tabet Seer Register Aam 15047 decided on August 22, 1871. Ijlasi Janab Hakim Baandobast Saheb Bahadur Sabiq Faizabad. In the case of Mohammad Asghar etc. petitioners Vs. Govt. respondent .... Arazi Ram Kot Pargana Haveli Oudh. The evidence of the petitioners after being recorded, and after the perusal of the same, the claim of Haqqiat-Aala Araazi is related to the Qabristan and trees of Imli situated in front of the door of the Masjid Babar Shah and Janam Sthan. After the inquiry it was found that the petitioner's have possession over the Imli trees, but the land is not that of the petitioners. This is a general Qabristan and the Courtyard and the door is that of Masjid and Janam Sthan. Such an Araazi could not be an individual property. It is therefore ordered: Degree for the right of possession of 21 trees of Imli, stood at Qabristan Aam no. Khasra as per file and Mauza Ram Kot, Pargana Haveli may be given to the petitioner and claim of the petitioner, regarding ownership rights over the Araazi of Qabristan be dismissed. A map of the degree be given to the parties and parwana in the name of Sadar Munsarim for compliance be issued, papers of bandobast be prepared and the file of the case be consigned to the office. Dated August 22, 1871. Sd/-in English. Copied by Sd/-Illegible, Compared by : Sd/-illegible.

<u>एक्जिबिट ए–23</u>

O.O.S. No. 1/89
(R.S.No. 2/50)

अर्जी दावा बहुजूर जनाब सब जज बहादुर

:अपठनीयः मिनजानिब मुद्दालेह

रघुबर दास महन्त निरमोही अक्खाड़ा वाकै अवध....................मुद्दई

बनाम

सरकार बहादुर कैसरे हिन्द व मोहम्मद असगर खतीब व मुतवल्ली जाने मस्जिद वाकै अवध .... मुद्दाअलेय

तसरीह दावा तामीर मंदिर उपर चबूतरा अन्दर अहाता मस्जिद बाबरी

गरीब परवर आदिल जमां सलामत

दफा–1. यह कि मुकदमा बहुत साफ मोहताज इन्साफ है वय अगरचे बहस दलायल बहुत कुछ बतरदीद दावा मुद्दई गुजारिश हो सकती है मगर बतकवियत आदिलुल मसाफत मुख्तसिरन गुजारिश करता हूँ :1: अव्वल यह कि जब बाबरशाह मालिके मुल्क व बादशाहे वक्त ने यह मस्जिद तामीर किया व अहाता मस्जिद के दरवाजे के उपर संगी पर लफ्ज अल्लाह कुन्दा कराके नसब किया व माफी उसके मसारिफ को तहरीर फरमायी तो बमुकाबिला मालिके मुल्क मर्को तामरी गाह बादशाह वक्त के अन्दर मिलकियत दूसरे शख्स के कहां बाकी रही पस तावक्तेके बादशाह तामीर कुनिन्दा मस्जिद ने अपने मस्जिद के अहाते के अन्दर या उसके कायम मुकाम दूसरे बादशाह ने कोई जुजे जमीन यह जमीन जिस पर चबूतरा है मूरिसान मुद्दई को न दी हो मुद्दई मालिक उस जमीन का नहीं हो सकता है । मुद्दई ने यह सुबूत इस मिलकियत निस्बत चबूतरा कोई दस्तावेज :अपठनीयः न बादशाह मौसूफ या किसी और बादशाह व हाकिमे वक्त पेश नहीं किये पस जब कि मुद्दई ने निस्बत इस टुकड़ा जमीन के मिलकियत उस पर हासिल नहीं की तो गैर की मिलकियत में कानून व इनसाफन कोई हक उसको मंदिर बनाने का नहीं है।

दफा–2. अगर मुद्दई अन्दर अहाता मस्जिद के आमदरफ्त हुआ कि बजोम व बातिल अपने दलील मिलकियत अपने या उन पर अहले हुनूद के समझता हो तो यह सही नहीं हो सकता क्योंकि जाहिर है कि अक्सर इमाम बाड़ा व मस्जिद व मुकाबिर इमारात उम्दा मआबद अहले इस्लाम में बअय्यामे तकरीबात मखसूस व दीगर अय्याम में हमेशा जूँ ता जूँ हुनूद जाते हैं और नजरो नियाज चढ़ाते हैं! अहले इसलाम की मुमानियत नहीं होती इसी तरह अहले इसलाम मआबिद हुनूद में जाते व आमदरफ्त रखते हैं तो किसी मुकाम पर आमदरफ्त रखने से या नजरो नियाज चढ़ाने से वह मुकाम उनकी मिलकियत नहीं हो जाता ।

दफा–3. जाहिर है कि वक्त तामीर मस्जिद से ता 1856ई0 इस मुकाम पर चबूतरा नहीं था । 1857 ई0 में बना और जब इस्तिगासा मुसलमानान हुकु खोदने चबूतरे का सादर हुआ पस जाहिर है कि बिना इस चबूतरे की 1857ई0 से हुई है ।

दफा–4. अब लायक गौर फरमाने यह अमर है कि बाद :अपठनीयः चबूतरा जदीद किन अख्तियारात से नशिस्त बरखास्त व आमदो रफ्त हुनूद के इस चबूतरे पर रही है । जाहिर है कि नशिस्त बरखास्त मुद्दई और उसके फिरके के बसर्तहा व शुरूतहा बकैद इस अमर के है कोइ अमर जदीद न करने पाये कायम रखे गये । पस 1857 ई0 से भी अख्तियारात मालिकाना मुद्दई को हासिल न हुआ बल्कि अगर मुद्दई या किसी हिन्दू ने कोई अमर जदीद अन्दर अहाता मस्जिद करना चाहा उसकी सरकार से मुमानियत की गई और एक फकीर ने बतरीक कुटी छप्पर डाला था वह मिसमार व दफा कर दिया गया तो यही मुकाम इन्साफ है कि जब 368 वर्ष से उमूमन 1857 ई0 से खुसूसन कोई सनद अपने मिलकियत के या किसी फेल मालिकाना के जिससे मिलकियत मुद्दई जाहिर हो हासिल न की तो कोई हक उसको अन्दर अहाता मस्जिद व ऐन फर्श मस्जिद पर मंदिर बनाने का दावा नहीं हो सकता है पस यह ख्याल मुद्दई कि यह चबूतरा हमार है, और जब कि चबूतरा हमारा है ता`उस पर मंदिर बनाने का भी अख्तियार हमको है महज बनफ्सानियत मजहबी गलत फहमी मुद्दई की है क्योंकि उस चबूतरे पर बैठना या चढ़ावा चढ़ाने का भी अख्तियार मालिकाना बिला किसी ताल्लुज के नहीं है ।

दफा–5. मुकूल एहकाम मुतादिद जो बअवकात मुख्तलिफ बमुकाबिला हम मुद्दालेह निस्बत मुमानियत अमरे जदीद बइनहिदाम मकान ऐन रसोई सीताजी के बइनहिदाम कुटी जो फकीर ने बनायी थी बलिहाज अमलदरामद कदीमे व अदम मिलकियत मुद्दई इन्तिजामन व बनजर कुश्त व खून माबैन अहले इस्लाम व हुनूद जो पेश्तर हुआ था कानून बअख्तियार जायज खुद सीगा मजाज से जारी किये हैं। वह वाकै मतालिका इस मुकदमे के और यह सुबूत कामिल हमारे बयानात के हैं और उन्हीं एहकाम से खुसूसन हुकुम 23 फरवरी सन 1857ई मुद्दई को जहूर बिनाये दावा पैदा हुई व हद समाअत आरिज दावा हाज हुई और उन जुमला एहकाम बाजाब्ता के मन्जूरी से अदालते दीवानी भी चश्मो पोशी नहीं फरमा सकती। बराबर वह नाफिज व जारी है मुद्दई ने उनको मन्सूख नहीं कराया और बिला दावा जारी तनसीख इस मुकदमा में मन्सूख नहीं हो सकते और उन एहकाम के खिलाफ कोई फैसला सादिर होना खिलाफ कानून है क्योंकि मन्सूखी उन एहकाम नातिका के बिला दावा दारी तनसीख लाजिम आती है इसलिए उम्मीदवार हूँ कि बाद मुलाहिजा कागजात व उजरात बएखराज दावा मुद्दई हकीर से फरमाई जाये, वाजिब था अर्ज किया। फिदवी मीर मोहम्मद असगर मुतवल्ली मस्जिद बाबरी, मुद्दालेह मोरिख 22 दिसम्बर, सन 1885ई0 मारफत मोहम्मद नजीर खां व मौलवी मोहम्मद अफजल वुकला मुद्दाअलेह

انتخاب کھیوٹ پٹواری حلقہ ضلع

ابتدائی کھیوٹ بابت سنہ ۱۳ فصلی					
نمبر کھیوٹ یا پٹی یا [illegible] نام موضع	نمبر کھاتہ جات	تعداد حصص	[illegible]	مالگذاری و ابواب بحصہ	نام حصہ داران مع تعداد حصص [illegible]

No. of suit ... of 1930
Name of parties [illegible]
Filed by [illegible]
Date of filing [illegible]
Admitted by
Denied by
Civil Judge

Ex A 30

6-8-46

(84)

ضلع بابت سنہ ۱۳ فصلی

تغیرات شدہ اندراج [illegible] جو سال [illegible] واقع ہوں			
[illegible]	وجہ انتقال	ترمیم شدہ اندراج نام حصہ داران مع ولدیت و قومیت و سکونت و تعداد حصص [illegible]	کیفیت (مع حوالہ نمبر و تاریخ حکم [illegible] و دستخط [illegible])

[illegible]

Ex. 6

[illegible] admitted

[illegible]

COURT FEE
TWO ANNAS
INDIA

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Sd) Mohd Ibrahim 23.12.59 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(Sd) Mohd Ibrahim 23.12.59 [illegible]

[illegible]

23 3/59 23 3/59 True [illegible] 11 3/59 95A

COPIED BY

COMPARED BY

TRUE COPY

Secretary
[illegible] Central Board of Waqfs U.P.
LUCKNOW

Ex A–64

25.5.59

51

(19)

روبکار [illegible] صاحب [illegible] ڈپٹی کمشنر [illegible] مورخہ [illegible] ماہ اگست سنہ ۶۳ء [illegible]

[illegible] مورخہ [illegible] ماہ اگست سنہ ۶۳ء [illegible] صاحب کمشنر بہادر [illegible] مورخہ [illegible] ماہ اگست سنہ ۶۳ء [illegible]

[illegible]

[illegible] صاحب کمشنر بہادر [illegible]

[illegible] اور [illegible] صاحب کمشنر بہادر [illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible] صاحب کمشنر بہادر [illegible]

[illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible] ماہ ستمبر سنہ ۶۳ء [illegible]

[illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible] ماہ ستمبر سنہ ۶۳ء [illegible]

[illegible]

[illegible] حکم ہوا کہ [illegible]

[illegible] ماہ ستمبر سنہ ۶۳ء [illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible]

[illegible] حکم ہوا کہ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

No of suit 2 of 1950
Name of parties Gopal Singh Vishwanath v Zahur Ahmad etc
Filed by deft. No 1
Date of filing 25-9-50
Admitted PW.
by
Denied Deft.
Civil Judge

Ex-A-16
[illegible]
Gopal Singh
Zahur Ahmad
Cl. Judge
[illegible]

Dismissed
Appeal 20-8-66

[illegible]

~~Exd~~
~~Denied by deft counsel~~
~~Pre~~

File
21/12/76

INDIA
COURT FEE
ONE ANNA
…LED
…/5/50

2-
30-5-45

COURT FEE
INDIA
9 AS

اسٹامپ ہشت آنہ   نقل بطور سند   صفحہ اول

روبکار کچہری کلکٹری ضلع فیض آباد باجلاس مسٹر بارک کارنیگی صاحب بہادر ڈپٹی کمشنر واقع تاریخ ۳۱ / اگست ۱۸۶۳ عیسوی چٹھی نمبری ۲۲۸۲ مورخہ ۲۵ / ماہ اگست ۱۸۶۳ء مرسلہ صاحب سکریٹری چیف کمشنر بہادر بذریعہ ڈاکٹ نمبری ۱۱۰۶ مورخہ ۲۸ / ماہ اگست ۱۸۶۳ء صاحب کمشنر بہادر بدیں مضمون موصول ہوئی کہ بعوض مبلغ ۳۰۲/۳/۹ جو واسطے مسجد جنم استھان دوام کے لئے گورنمنٹ نے منظور کیا تھا کسی زمین نزول قریب اجودھیا باداۓ محصول سرکار بطور معافی دوام جمع آمدنی مبلغ ۳۰۲/۳/۹ سالانہ کی جو دیا جاوے صاحب ڈپٹی کمشنر بہادر یک نقشہ زمین جو دینے کے واسطے تجویز کی جاوے بھیجیں اس نقشہ میں سرحد صاف صاف درج ہونا چاہیے اور وہ نقشہ حساب پیمانہ طیار ہونا چاہیے معہ ایک رپورٹ صاحب کمشنر بہادر کے بھیجا جاوے۔

حکم ہوا کہ

بجنسہ روبکار باجلاس منشی رائے رام دیال صاحب اکسٹرا اسسٹنٹ کمشنر بہادر بجہت تعمیل و کارروائی کے پیش ہووے اور لکھا جاوے کہ منشی صاحب باتفاق رائے مسٹر ڈاکٹر ہیگ صاحب بہادر کے کارروائی اس کی کریں فقط۔

دستخط حاکم

اجلاس رائے رام دیال صاحب بہادر اکسٹرا اسسٹنٹ کمشنر بہادر تحریر روزنامچہ ۲۰۸

حکم ہوا کہ

معہ مسل سابقہ کے پیش ہووے المرقوم تاریخ ۹ / ستمبر ۱۸۶۳ء   دستخط حاکم

بعد ملاحظہ مسل کے دریافت ہوا کہ رجب علی و محمد اصغر حاضر نہیں ہیں اور ان سے دریافت اس امر کا ضرور ہے کہ حسب منشاء حکم کون زمین کی خواہش ہے اس لئے

حکم ہوا کہ

بتاریخ ۱۲ / ستمبر سن الیہ کو پیش ہووے ۱۲ / ماہ ستمبر ۱۸۶۳ء   دستخط حاکم   ۱۶ / ستمبر ۱۸۶۳

از آنجا کہ بمقابلہ رجب علی و محمد اصغر واسطے تجویز کے پیش ہوا امیدواران نے کہا کہ زمین مشمولہ شیوالہ پوری اور بھورن پور جو متعلق نزول کے ہیں جیوش ۳۰۲/۳/۹ کے علاوہ دریافت سررشتہ سے واضح ہوا کہ جمع اوّل موضع بھورن پور ۱۹۳ / روپیہ اور جمع آراضی شیوالہ پوری ۱۶۲ / روپیہ جملہ ۳۵۵ روپیہ سالانہ تمام ہے یعنی ۵۲/۰۱۲ ازراہ بشرطیکہ دیا جانا قطعات مذکورین کا صاحب اسسٹنٹ کمشنر بہادر منظور فرماویں بعد میں جمعی ۵۲/۱۲ کے زمین شیوالہ پوری سے منتخب ہو سکتی ہے اور موضع بھورن پور موضع سالم بدستور رہے اسلئے۔

حکم ہوا کہ بمراد صدور حکم باجلاس صاحب اسسٹنٹ کمشنر بہادر انچارج ضلع پیش ہووے۔

۱۶ / ماہ ستمبر ۱۸۶۳ء   دستخط حاکم   اجلاس ڈاکٹر ہیگ صاحب اسسٹنٹ کمشنر بہادر انچارج ضلع فیض آباد

حکم ہوا کہ

منشی رام دیال صاحب اکسٹرا اسسٹنٹ کمشنر بہادر حسب تجویز اپنی زمین جمع .... ۵۲/۱۲/۹ منتخب و منہا کر کے بقیہ ہر دو قطعات کا نقشہ حسب منشائے چٹھی صاحب سکریٹری چیف کمشنر بہادر مرتب فرما کر ارسال فرماویں تب رپورٹ باضابطہ بھیجا جاویگا ...... دریں مقدمہ میں ڈاکٹ تاکید ہے آج براہ مہربانی جلد ارسال فرماویں۔ ۲۸ / ستمبر ۶۳ء   دستخط حاکم

اجلاس منشی رام دیال صاحب بہادر

آج پیش ہوا اور سائل سے پوچھا گیا کہ اجرت امین تم داخل کرو گے بیان کیا کہ ہم داخل کریں گے اس لئے   حکم ہوا کہ

ایک امین اجرت پر مقرر ہو کے اوس کی معرفت نقشہ بھورن پور بطور حلقہ حد بست اور نقشہ شیوالہ پوری کشتوار صاف و طیار کرایا جاوے اور جو زمین جمعی ۵۲/۱۲/۹ سرکاری حلقہ شیوالہ پوری میں رہے گی امین رنگ زرد سے اس میں واسطے شناخت نزول سرکار پر کر دیوے۔ المرقوم تاریخ ۲۰ / ستمبر ۱۸۶۳ء

دستخط حاکم   بقلم بچھن پرساد نقل نویس

Macpherson

[illegible] ۱۸۹۵ء [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

اجلاس [illegible] صاحب [illegible] بہادر

[illegible] ۱۸۹۵ء [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

اجلاس [illegible] صاحب [illegible] کمشنر صاحب بہادر

[illegible]

اب وقت [illegible] سات روپیہ [illegible]

[illegible] سات روپیہ [illegible]

[illegible] سات روپیہ

[illegible] اطلاع [illegible]

اطلاع [illegible] صاحب [illegible] کمشنر بہادر [illegible]

[illegible] ۱۸۹۵ء [illegible]

[illegible]

No. of suit 2 of 1950
Name of parties Gopal Lal [illegible] vs Zahur Ahmad & ors
Filed by deft No 1
Date of hearing 25.2.50
[illegible] PW
[illegible] by [illegible]
Admitted
Civil Judge

Ex-A-17
Gopal Lal v Zahur Ahmad
Civil Judge

COURT FEE
INDIA
ONE ANNA
1A

COURT FEE
INDIA

23/3/46

[illegible]

Copy
Denied by Defs counsel
Recorded

File
21/12/36

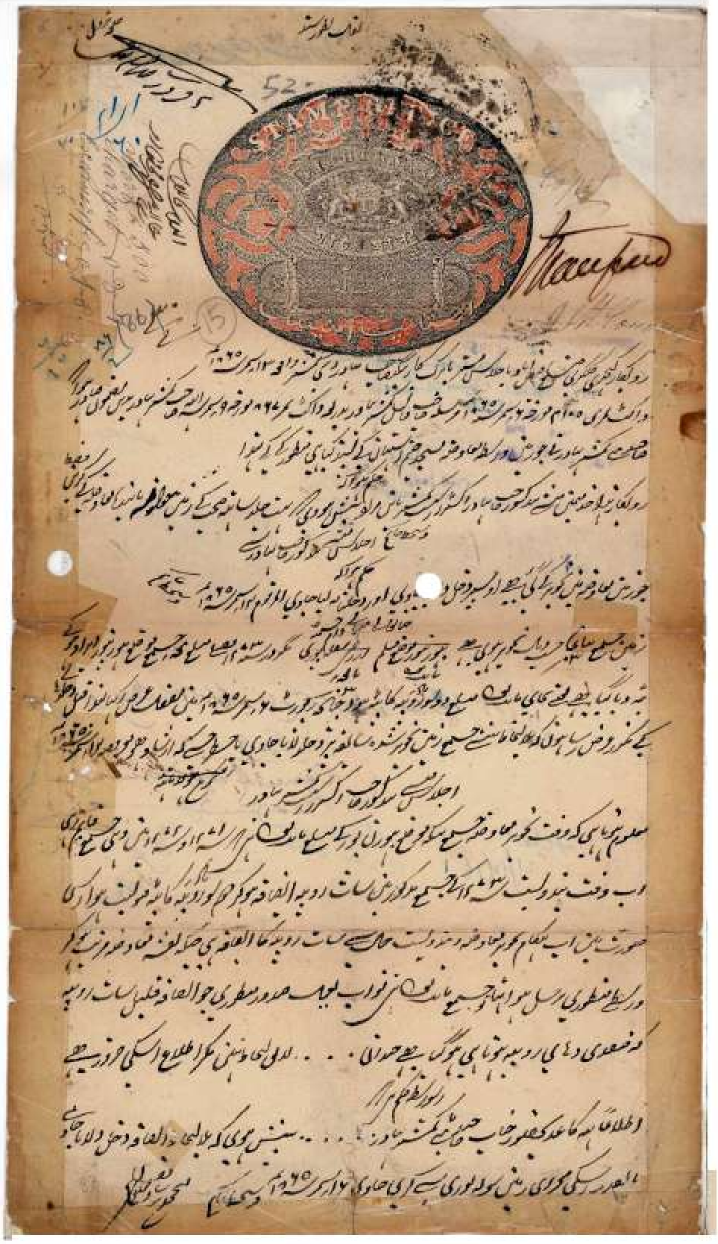

اسٹامپ ہشت آنہ   نقل بطور سند   صیغۂ نزول

روبکار کچہری کلکٹری ضلع فیض آباد باجلاس مسٹر بارک کارنگی صاحب بہادر ڈپٹی کمشنر واقعہ ۱۴ ستمبر ۱۸۶۵ء

ڈاکٹ نمبر ۳۱۰۵ مورخہ ۹ ستمبر ۱۸۶۵ء مرسلہ صاحب فنانشل کمشنر بہادر بذریعہ ڈاکٹ نمبر ۸۶۷ مورخہ ۹ ستمبر من جانب صاحب کمشنر بہادر بدیں مضمون صادر ہوا کہ صاحب ڈپٹی کمشنر بہادر نے جو زمین واسطے معاوضہ مسجد جنم استھان کے پسند کیا ہے منظور کی گئی لہذا

حکم ہوا کہ

روبکار ہذا بخدمت منشی نند کشور صاحب بہادر اکسٹرا اسسٹنٹ کمشنر بایں امر روپیش ہووے کہ بہت جلد ساتھ منتخب کی زمین ...... یابندو معاوضہ کی کریں فقط

دستخط حاکم

اجلاس منشی نند کشور صاحب بہادر سے

حکم ہوا کہ

جو زمین معاوضہ میں تجویز کی گئی ہے اس پر دخل ...... جاوے اور دخلنامہ لیا جاوے المرقوم ۱۴ ستمبر ۱۸۶۵ء   دستخط حاکم

جناب عالی متعالی دام حشمتہ

زمین جمع ۲۰۲/۰۳ حسب ذیل تجویز ہوئی ہے۔ بھورن پور موضع مسلم ۱۹۳/- آراضی شولہ پوری ۱۰۹/۰۳ اکڑ و ... فصلی مبلغ ۷/- جمع موضع بھورن پور رہ جاوے کے پٹہ دیا گیا ہے یعنی بجائے ۱۹۳/- مبلغ دو سو روپیہ کا پٹہ ہوا چنانچہ رپورٹ ۹ ستمبر ۱۸۶۵ء میں مفصل عرض رکھا لہذا قبل دخل دہانی کے مکرر عرض رساں ہوں کہ بالا تا ذیشتی جمع زمین تجویز شدہ ساحبہ پر دخل دلایا جاوے یا جس طرح سے کہ ارشاد ہو عرضہ ۱۴ ستمبر ۱۸۶۵ء

العبد بکھرین بھولا ناتھ

اجلاس منشی نند کشور صاحب اکسٹرا اسسٹنٹ کمشنر بہادر

معلوم ہوتا ہے کہ وقت تجویز معاوضہ جمع یہ ہے کہ موضع بھورن پور کے مبلغ ۱۹۳/- ہے کہ ۱۲۷۱ ... میں وہی جمع قائم رہی اب وقت بندوبست ... کی جمع مذکور میں سات روپیہ اضافہ ہو کر دو سو روپیہ کا پٹہ قبولیت ہوا اس صورت میں اب ہنگام تجویز معاوضہ و بندوبست حال سے سات روپیہ کا ایزا فہ ہے جب کہ نقشہ معاوضہ مرتب ہو کر واسطے منظوری مرسل ہوا تھا تو جمع ۱۹۳/- تھی تو اب قبل صدور منظوری جو ایزا فہ تکمیل سات روپیہ کی فیصدی ڈھائی روپیہ ہوتا ہے ہو گیا ہے چنداں ...... لائق لحاظ نہیں مگر اطلاع اس کی ضرور ہے۔

اس واسطے حکم ہے کہ

اطلاع نامہ کاغذ کمشنر جناب صاحب ڈپٹی کمشنر بہادر ...... پیش ہووے کہ بلا لحاظ ایزا فہ دخل دلایا جاوے یا بعد اس کی مجرائی زمین شولہ پوری سے کری جاوی ۱۶ ستمبر ۱۸۶۵ء دستخط حاکم بچھن پرساد نقل نویس

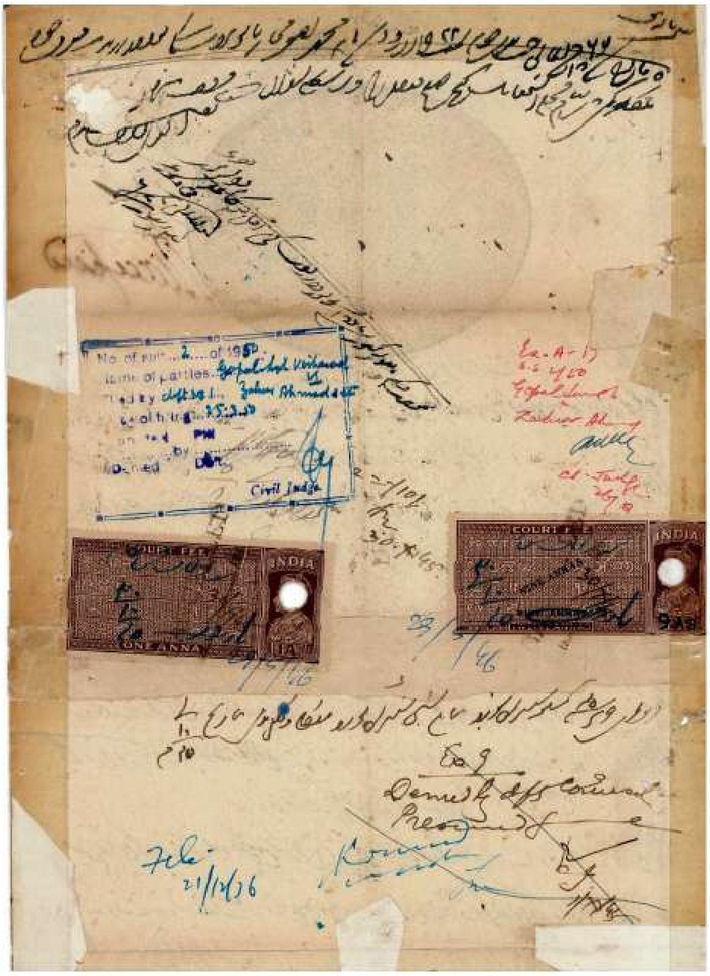

No of suit ...2... of 1950
Name of parties Gopal Singh Visharad vs Zahur Ahmad & others
Filed by ...
Final hearing 25.3.50
Civil Judge

COURT FEE
INDIA
ONE ANNA
1A

ارشاد نوشتہ

بعدالت جناب صاحب جج صاحب بہادر [illegible]

نقل تجویز مشمولہ مسل مقدمہ اپیل نمبر ۱۳۰/۹۱۲

متعلقہ سید محمد اصغر بنام [illegible] فیصلہ [illegible]

421/7

تجویز عدالت خفیفہ

آج بہ مسل کاغذی مرتب ہو کر وکیل مدعا علیہ پیش ہو کر بعد ملاحظہ مسل و رفع عذرات مندرجہ میں

بہ دو امر تنقیح طلب قرار پائی ہیں اول یہ کہ آیا فریقین [illegible] [illegible] مشترکہ [illegible]

مشفقین با قسمیں پائے رہے ہیں یا صرف مدعا علیہ ۔

دوم اگر [illegible] سنہ ۱۳۰۶ و سنہ ۱۳۸۴ ف [illegible] [illegible]

ثبوت سے مدعی نے پانچ گواہان و مدعا علیہ دو گواہ پیش کئے گواہان مدعی اگرچہ مطابق

مقصد مطلب مدعی گواہی دیتے ہیں و گواہان مدعا علیہ [illegible] سے ۔ تحقیق [illegible]

بیانات گواہان مدعی سے یہیں عدالت سے نزدیک بیانات گواہان مدعا علیہ

کو فوقیت [illegible] بہ خود [illegible] گواہ [illegible] قانونگو [illegible]

مدعی [illegible] بیانات گواہان مدعا علیہ [illegible] گذشتہ

مدعا علیہ [illegible] تحقیق [illegible] یہ بیان قانونگو [illegible] مدعی [illegible]

ہے کہ باوجود [illegible] کسی سال [illegible] تحقیق [illegible] مدعی [illegible]

[illegible] قانونگو [illegible] مدعا علیہ [illegible]

[illegible] مدعا علیہ [illegible]

FOR COPIES ONLY 4 As.

ANNAS

صرف نقل کے کام میں لایا جائے

चार आना

सिर्फ नकल के वास्ते काम में लाया जाय

१-३/५०

१-३-५०

Date on which application is made for copy accompanied by the requisite stamps. تاریخ جس پر نقل کی درخواست معہ اسٹامپ ضروری دی گئی	Date of posting notice on notice board. تاریخ آویزاں کئے جانے اطلاعنامہ کے تختہ اطلاع پر	Date of delivery of copy. تاریخ حوالگی نقل	Signature of official delivering copy. دستخط عہدہ دار کے جس نے نقل حوالہ کی
२२-२-५० ~~तेईस फरवरी~~ २२/२/५०	१-३-५० ~~पहली मार्च~~ १/३/५०	९-३-५०	रामस्वरूप

ना.५

فیصلہ ہذا استحقاق [illegible] رہنے کو دوام کے لئے کوئی شخص [illegible]

[illegible] فیصلہ [illegible] [illegible] قانونگو [illegible]

چنانچہ عدالت نے سوال [illegible] قانونگو سے زبان سے [illegible] جواب [illegible]

[illegible] خلاف گذشتہ [illegible] [illegible] قرار دیا [illegible]

بیان قانونگو قابل ملاحظہ ہے اس عدالت سے نزدیک [illegible] آیا

[illegible] اس عدالت [illegible] ہے [illegible]

[illegible] [illegible] سال [illegible]

XII

(28)

322

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Om. Adj 1/25.

Ex 7/VIII

اپیل نمبر ۳۵۰

اجلاس جناب صاحب جج صاحب بہادر فیض آباد

نقل عرضی دعویٰ مشمولہ مسل مقدمہ اپیل نمبری [illegible]

مقدمہ سید محمد اصغر بنام رگھوبر داس مہنت [illegible] ۱۸

جناب منصف بہادر ضلع فیض آباد

سید محمد اصغر ولد سید [illegible] قوم سید [illegible] متولی [illegible] ساکن اجودھیا

محلہ [illegible] پرگنہ حویلی اودھ ضلع فیض آباد ۔ ۔ ۔ ۔ مدعی

بنام

رگھوبر داس مہنت [illegible] جنم استھان [illegible] اودھ

[illegible] اودھ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ مدعا علیہ

مدعی حسب ذیل عرض کرتا ہے ۔

۱ ۔ [illegible] چبوترہ [illegible] واقع دروازہ مسجد بابری اودھ [illegible]

[illegible] ۱۲۸۹ فصلی [illegible] ۱۲۸۹ فصلی [illegible]

۲ ۔ یہ کہ [illegible] چبوترہ [illegible] دروازہ مسجد بابری [illegible] مدعی [illegible]

[illegible]

[illegible] مدعی [illegible] مدعا علیہ [illegible]

[illegible] مدعا علیہ [illegible] تقسیم [illegible] ۔

۳ ۔ یہ کہ ۱۲۸۹ فصلی [illegible] مدعا علیہ [illegible]

[illegible] اودھ [illegible]

[illegible] ۱۲۸۹ فصلی [illegible]

XI

(37)

(2)

340/31

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ۱۸۶۲

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۰

TRUE COPY

۱۴۵

135 = [illegible]

Gopal Singh
vs
Zahoor Ahmad

[illegible]

[illegible]

39

سنه ۲۳ اگست ۱۸۷۱ ع

[illegible]

[illegible] خطیب و مؤذن مسجد بابری واقع جنم استھان اودھ [illegible]

[illegible]

خطیب و مؤذن مسجد جامع بابری واقع جنم استھان اودھ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

TRUE COPY

325

ONE RUPEE FOUR ANNAS

INDIA

ONE RUPEE FOUR ANNAS

IX

(50)

نقل [illegible] عرضی نمبری ۵۶ بابت مسجد بابری واقع جنم استھان اودھ [illegible]

[illegible] مسجد بابری واقع جنم استھان اودھ [illegible]

[illegible]

[illegible] خطیب و مؤذن مسجد بابری واقع جنم استھان اودھ [illegible]

بنام

[illegible] مہنت جنم استھان [illegible] اودھ [illegible]

[illegible] مسجد [illegible]

[illegible]

[illegible] جنم استھان [illegible]

[illegible]

COPIES

51

[illegible] مقدمہ نمبر ۲۲۳ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

INDIA
COURT FEE
FIFTY NAYE PAISE

INDIA
COURT FEE
TWO ANNAS

INDIA
COURT FEE
TWO ANNAS

نقل رپورٹ مسٹر محمد ابراہیم صاحب وقف انسپکٹر [illegible] مورخہ ۱۰ دسمبر ۱۹۴۹ء متعلقہ مسجد بابری [illegible] ۲۸ [illegible]

Waqf 26 Fyzabad مسجد بابری اجودھیا (155) ۱۲ 30[illegible]

D

مکرر عرض ہے - مسجد بابری اجودھیا کے متولی پہلے سید [illegible] صاحب - محمد ذکی [illegible] ذکی تھے - [illegible] حسین [illegible] - [illegible] حسین صاحب [illegible] متولی کا انتقال ہو گیا ہے - میں اجودھیا گیا سوال پیدا ہوا - شیعہ سنیوں [illegible] مسجد مذکور [illegible] ہے - مسجد مذکور کا متولی ہمیشہ شیعہ سنیوں کا جھگڑا [illegible] پیدا ہوتا ہے کہ جو [illegible] ہوتا ہے وہی مسجد مذکور کا متولی ہوتا ہے - شیعہ سنی [illegible] تحقیقات سے معلوم ہوا شیعہ سنیوں کے موجودہ [illegible] جناب جواد حسین صاحب ہیں اور وہی [illegible] کرتے ہیں اور مسجد مذکور کا انتظام بھی کرتے ہیں - سید اکبر حسین صاحب [illegible] شیعہ سنیوں [illegible] بیان دیا کہ موجودہ [illegible] جناب جواد حسین صاحب ہیں اور وہی وصول تحصیل کرتے ہیں اور مسجد مذکور کے متولی [illegible] جناب جواد حسین صاحب کا بیان [illegible] [illegible] [illegible] معلوم ہوا کہ جناب جواد حسین صاحب کا نام [illegible] متولی [illegible] معلوم ہوا کہ ہندوؤں اور سکھوں کے خوف سے کوئی شخص عشاء کے وقت نماز مسجد مذکور میں نہیں [illegible] اور رات کو اگر کوئی مسافر مسجد میں رہ جاتا ہے تو اس کو ہندو لوگ بہت تنگ کرتے ہیں - مسجد [illegible] ہندوؤں کا [illegible] ہے جہاں بہت سے ہندو [illegible] رہتے ہیں اور جو مسجد میں مسلمان [illegible] [illegible] تحقیقات سے معلوم ہوا [illegible] صحیح ہیں - لوگوں نے بیان کیا کہ مسجد کو ہندوؤں کا خطرہ ہے کہ اس کی دیوار [illegible] [illegible] [illegible] - دستخط مسٹر محمد ابراہیم [illegible] 10/12/49

[illegible]

[illegible] 95A

[illegible] 11 3/59

[illegible] 23 3/59

[illegible] 23 3/59

THE SUNNI CENTRAL BOARD OF WAQFS

TRUE COPY

Secretary
Sunni Central Board of Waqfs
LUCKNOW

COMPARED BY

COPIED BY

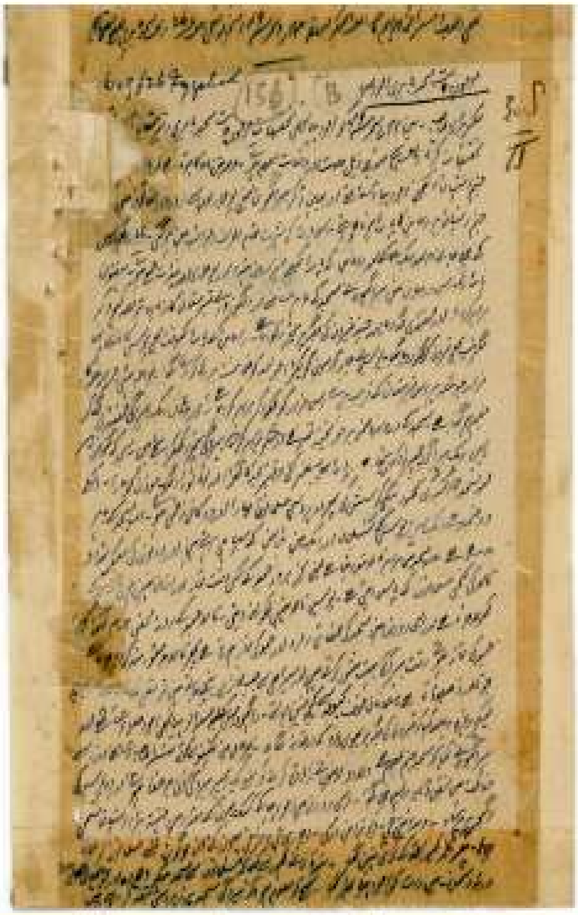

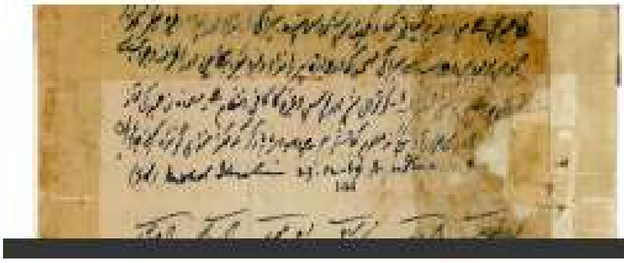

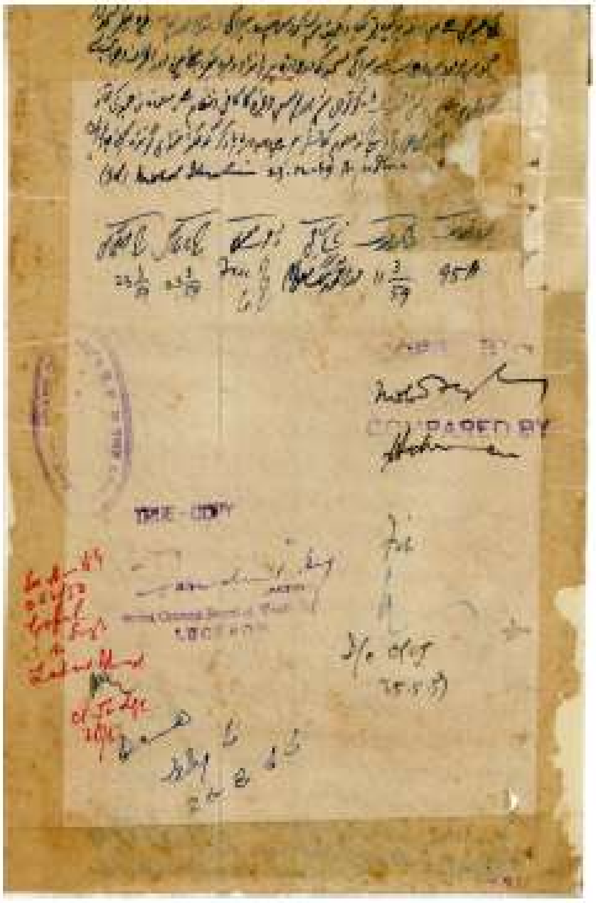

COMPARED BY

TRUE COPY

LUCKNOW

51

(19)

روبکار کچہری [illegible] ضلع [illegible] صاحب بہادر [illegible] ماہ اگست سنہ ٦٣ء [illegible]

[illegible] ماہ اگست سنہ ٦٣ء [illegible] صاحب [illegible] صاحب بہادر [illegible] ماہ اگست سنہ ٦٣ء [illegible]

[illegible]

[illegible] صاحب بہادر [illegible]

[illegible] صاحب بہادر [illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible] صاحب بہادر [illegible] صاحب [illegible]

[illegible]

دستخط حاکم

[illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible] سنہ ٦٣ء [illegible]

[illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible] ماہ [illegible] سنہ ٦٣ء [illegible] دستخط حاکم

[illegible] سنہ ٦٣ء [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] صاحب بہادر [illegible]

[illegible] — حکم ہوا کہ — [illegible] صاحب [illegible]

[illegible] سنہ ٦٣ء [illegible] دستخط حاکم [illegible] صاحب [illegible]

حکم ہوا کہ

[illegible] صاحب بہادر [illegible] . . . . . . [illegible]

[illegible] . . . . . . [illegible]

دستخط حاکم

[illegible] — حکم ہوا کہ — [illegible]

[illegible]

[illegible]

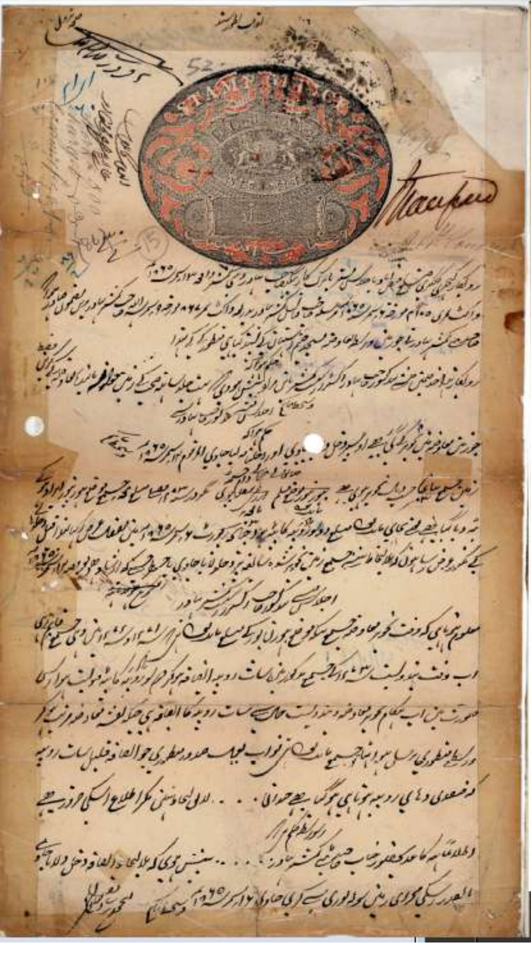

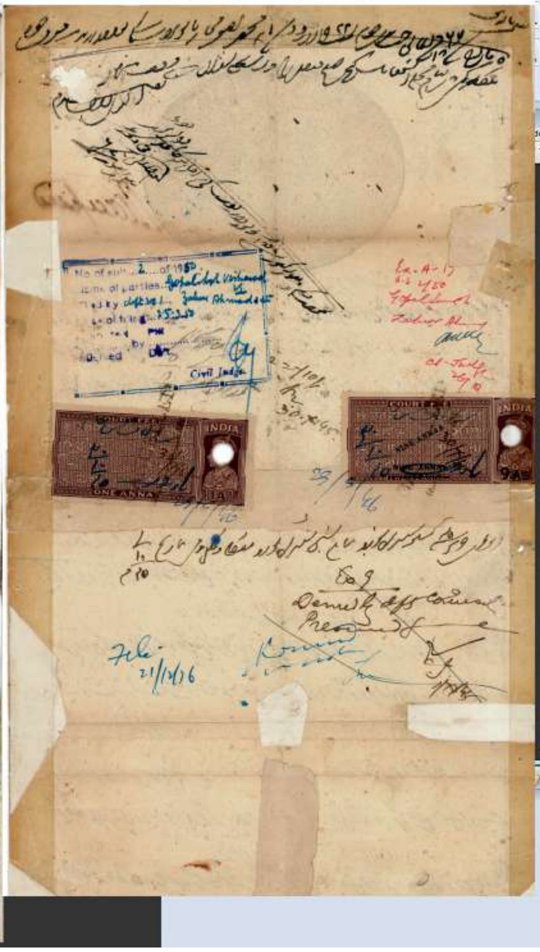

No of suit 2 of 1950
Name of parties Afzal Ahmad Mohammad vs Zahur Ahmad & ors
Filed by deft
Date of filing 25-3-50
Civil Judge

Ex. A-17
S.S. 2/50

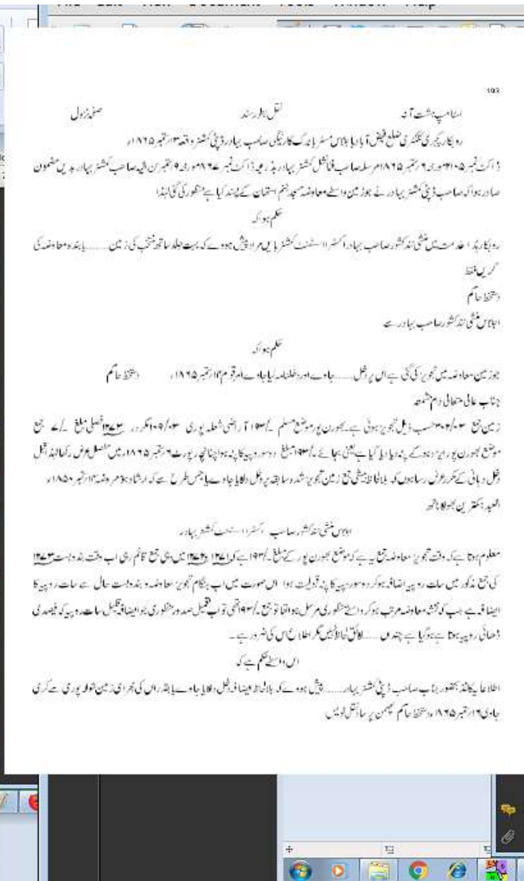

193

اسٹامپ ہشت آنہ　　　نقل بطور سند　　　صفحہ اول

روبکار کچہری کلکٹری ضلع فیض آباد باجلاس مسٹر پارک کارنگی صاحب بہادر ڈپٹی کمشنر مورخہ ۱۳ ستمبر ۱۸۶۵ء

ڈاکٹ نمبر ۲۱۰۵ مورخہ ۹ ستمبر ۱۸۶۵ء مرسلہ صاحب فنانشل کمشنر بہادر ریڈ ڈاکٹ نمبر ۹۶۷ مورخہ ۵ ستمبر من جانب صاحب کمشنر بہادر بدیں مضمون صادر ہوا کہ صاحب ڈپٹی کمشنر بہادر نے جو زمین واسطے معاوضہ مسجد جنم استھان کے پسند کیا ہے منظوری کی گئی لہذا

حکم ہوا کہ

روبکار ہذا خدمت میں منشی نند کشور صاحب بہادر اکسٹرا اسسٹنٹ کمشنر بایں مراد پیش ہووے کہ بہت جلد ساتھ منتخب کی زمین ...... پابندہ معاوضہ کی کریں فقط

دستخط حاکم

اجلاس منشی نند کشور صاحب بہادر سے

حکم ہوا کہ

جو زمین معاوضہ میں تجویز کی گئی ہے اس پر دخل ...... جاوے اور خلاصہ لیا جاوے امر قوم ۱۴ ستمبر ۱۸۶۵ء　　　دستخط حاکم

جناب عالی متعالی دام حشمتہ

زمین جمع ۳۰/۶/۳ حسب ذیل تجویز ہوئی ہے۔ بھورن پور موضع مسلم ۱۹۳/- آراضی شطہ پوری ۱۰۹/۰۳ ایکڑ ۲۰۳/۱۲ فصلی مبلغ ۷/- جمع موضع بھورن پور ...... کیا ہے یعنی بجائے ۱۹۳/- مبلغ دوسو روپیہ کا پٹہ ہوا چنانچہ رپورٹ ۶ ستمبر ۱۸۶۵ء میں مفصل عرض کیا لہذا قبل دخل دہانی کے مکرر عرض رساہوں کہ بلا لحاظ ...... تجویز شدہ وسابقہ پر دخل دلایا جاوے یا جس طرح سے کہ ارشاد ہو مورخہ ۱۳ ستمبر ۱۸۶۵ء

العبد مکترین بھولا ناتھ

اجلاس منشی نند کشور صاحب اکسٹرا اسسٹنٹ کمشنر بہادر

معلوم ہوتا ہے کہ وقت تجویز معاوضہ جمع یہ ہے کہ موضع بھورن پور کے مبلغ ۱۹۳/- ہے کہ ۱۲۷۱ و ۱۲۷۲ میں یہی جمع قائم رہی اب وقت بندوبست ۱۲۷۳ کی جمع مذکور میں سات روپیہ اضافہ ہو کر دوسو روپیہ کا پٹہ قبولیت ہوا اس صورت میں اب بہنگام تجویز معاوضہ و بندوبست حال سے سات روپیہ کا اضافہ ہے جب کہ نقشہ معاوضہ مرتب ہو کر واسطے منظوری مرسل ہوا تھا تو جمع ۱۹۳/- تھی تو اب تکمیل صدور منظوری جو اضافہ تکمیل سات روپیہ کی فیصدی ڈھائی روپیہ ہوتا ہے ہو گیا ہے چندوں ...... لائق لحاظ نہیں مگر اطلاع اس کی ضرور ہے۔

اس واسطے حکم ہے کہ

اطلاعاً بخدمت جناب صاحب ڈپٹی کمشنر بہادر ...... پیش ہووے کہ بلا لحاظ اضافہ دخل دلایا جاوے یا بقدر اس کی جو زمین شولہ پوری سے کری جاوے ۱۶ ستمبر ۱۸۶۵ء دستخط حاکم جیمن پر سائن لوپس